capacity is nearing completion. The erection of the plant and machinery of the second D.D.T. Factory at Alwaye has been completed and trials are being carried out.

(b) No, there has been a slight delay.

Working Conditions in Commercial Establishments

*1298. **Shri T. B. Vittal Rao:** Will the Minister of Labour and Employment be pleased to state the names of the State where there is no legislation regulating the working conditions of employees in shops and commercial establishments?

The Deputy Minister of Labour (Shri Abid Ali): Rajasthan

Tea Production in Kangra District of Punjab

*1299 **Shri Daljit Singh:** Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) the total quantity of tea produced in Kangra district of the Punjab State,

(b) whether tea industry in this district is showing a downward trend,

(c) if so, to what extent and the reasons therefor, and

(d) the measures that are being taken for its development?

The Minister of Commerce (Shri Kanungo): (a) to (c). Production of tea in Kangra during recent years was,

1953	1,757,480 lbs
1954	2,002,960 lbs
1955	2,035,810 lbs
1956	2,426,296 lbs

Tea production in this district is not showing any downward trend

(d) Steps to improve the quality of tea produced in Kangra and to promote exports of green tea are under the consideration of Government.

बिहार में सूखे की स्थिति

१३००. **श्री विभूति मिश्र :** क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने योजना आयोग के उन प्रतिनिधियों की रिपोर्ट के बारे में कोई निर्णय किया है, जिन्हें बिहार में सूखे की स्थिति का अध्ययन करने के लिये भेजा गया था ;

(ख) क्या बिहार सरकार ने उक्त रिपोर्ट के बारे में अपनी प्रतिक्रिया केन्द्रीय सरकार को भेज दी है ;

(ग) यदि हां, तो केन्द्रीय तथा बिहार राज्य सरकारों की प्रतिक्रियायें क्या-क्या हैं; और

(घ) केन्द्रीय सरकार का बिहार सरकार को कितनी वित्तीय सहायता देने का विचार है और यह सहायता कब तक दी जायेगी ?

श्रम और रोजगार तथा योजना मंत्री के सभा-सचिव (श्री हया० नं० मिश्र) : (क) बिहार में सूखे की स्थिति के सम्बन्ध में नियुक्त अधिकारियो के दल की रिपोर्ट पर केन्द्रीय सरकार विचार कर रही है। अभी तक इस सम्बन्ध में कोई निष्कर्ष नहीं निकला है ।

(ख) जी, नही ।

(ग) प्रश्न नही उठता ।

(घ) वर्तमान स्थिति में प्रश्न नहीं उठता ।

Co-operative Societies in Tripura

1303 **Shri Bangshi Thakur:** Will the Minister of Rehabilitation and Minority Affairs be pleased to state the total number of cooperatives formed among the displaced persons in Tripura under the patronage of Refugee Rehabilitation Department of Tripura uptil now?

The Minister of Rehabilitation and Minority Affairs (Shri Mehr Chand Khanna): Fifty-eight.

१८०४. डा० राम सुभग सिंह : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि तापसह ईंटें बनाने के उद्योग की स्थापना के लिये जो सर्वेक्षण कराया गया था, उसके अनुसार क्या कार्यवाही की गई है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : तापसह ईंटों की माग पूरी करने के लिये, १८ नये कारखाने स्थापित करने के लाइसेंस उद्योग (विकास तथा नियमन) अधिनियम के अधीन दिये गये है। कुछ और योजनायें विचाराधीन हैं।

सरकार ने तापसह ईंटों के लिये एक पैनल भी बना दिया है जो उन स्थितियो की खोज करेगा, जिनमें तापसह ईंटो का उत्पादन तेजी से बढ़ाया जा सके।

अम्बर चर्खा कार्यक्रम

१८०५. श्री सूलन सिंह : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा अम्बर चर्खे के प्रयोग के सम्बन्ध में १९५५-५६ में आरम्भ किये गये परीक्षणात्मक परियोजना कार्यक्रम के अन्तर्गत जो परीक्षण किये गये थे, उनका क्या परिणाम निकला है ;

(ख) उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत कितना सूत तैयार किया गया और कितने लोगो को काम मिला ;

(ग) इस कार्यक्रम से भावी प्रगति में कितनी और किस प्रकार की सहायता मिली है ;

(घ) यह कार्यक्रम कहां तक सफल अथवा अन्यथा रहा है ;

(ङ) यदि इसमें असफलता हुई है, तो उसके क्या कारण है; और

(च) इस सम्बन्ध मे क्या कार्यवाही की गई है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) दो प्रकार के परीक्षण किये गये है :—

(१) अम्बर चरखा सेट का परीक्षण यह अनुमान लगाने के लिये किया गया कि वह हाथ से कताई करने के लिये कहां तक उपयुक्त है; और

(२) जिन कतवारो ने आवश्यक ट्रेनिंग लेली है और कातने का अभ्यास कर लिया है, उनके उत्पादन का अनुमान क्या है।

पहले प्रकार के मुख्य परीक्षण टैक्नालाजीकल लैबोरेटरी माटुगा, बम्बई और अहमदाबाद टैक्सटाइल इंडस्ट्रीज रिसर्च असोशियेशन की अहमदाबाद स्थित प्रयोगशाला में किये गये थे। इन दोनो प्रयोगशालाओ मे किये गये परीक्षणो के फल स्वरूप अम्बर चरखा चलाने की कुशलता मे सुधार करने के बहुत से परिवर्तनो और सुधारो के सुझाव दिये गये। जहा तक दूसरे प्रकार के परीक्षणों का सम्बन्ध है, जिन कतवारो ने ६ सप्ताह क पूरी ट्रेनिंग ली है और लगभग ६ सप्ताहो तक कताई का अभ्यास कर लिया है, उनकी, आठ घटो के दिन मे औसतन उत्पादकता ६ चुण्ड की है। लेकिन जिन लोगो ने ६ सप्ताह की पूरी ट्रेनिंग तो लेली है, पर चरखा चलाने का अभ्यास सिर्फ ४ हफ्ते ही किया है, उनकी उत्पादकता ४ चुण्डी प्रति दिन की ही है।

अच्छी किस्म की रूई (सूती और विजय) में रद्दी माग निकालने का प्रतिशत जहां चार रहा वहां कुछ किस्मों जैसे लाल